प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

प्रसार अधिकारियों के क्षमता विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

पंतनगर। 08 जनवरी 2025। समेटी–उत्तराखण्ड (प्रसार शिक्षा निदेशालय) एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, नीलोखेड़ी, हरियाणा (भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में प्रसार अधिकारियों के क्षमता विकास हेतु 'प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण के लिए विस्तार अधिकारियों का क्षमता विकास' विषयक प्रशिक्षण जनवरी 7–10, 2025 को निदेशालय के कृषक भवन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक के प्रचार–प्रसार में आप सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सलाह दी कि छोटे–छोटे उद्यम जैसे मोटे अनाजों की खेती, बैकयार्ड मुर्गी पालन, बकरी पालन, मौन पालन, मशरूम उत्पादन, मसालों का प्रसंस्करण अपनाकर किसानों के आय में पर्याप्त बढ़ोत्तरी की जा सकती है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में ज्यादातर लघु एवं मध्यम कृषक हैं, जिनके छोटे–छोटे जोत हैं। अतः इनकी आवश्यकतानुरूप तकनीकी हस्तान्तरण होना चाहिए। तकनीकी सहायता के लिए विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ सहयोग हेतु समर्पित रहेगा। निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने प्रतिभागियों से कहा कि आप जैसे अधिकारी विश्वविद्यालय और कृषकों के बीच में पुल की भांति काम करते हैं। आपसे प्राप्त फीडबैक भविष्य के शोध का आधार बनता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा अनेक कृषकोपयोगी तकनीक विकसित किये गये हैं, आज आवश्यकता इस बात की है कि आप लोग इन तकनीकों का कृषकों के बीच ज्यादा से ज्यादा प्रचार–प्रसार करने में वैज्ञानिकों की मदद करें। डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक एवं समन्वयक, समेटी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रशिक्षण की रूप–रेखा, चार–दिवसीय कार्यक्रम एवं इससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा किये। इस अवसर पर उन्होंने विशेष रूप से कहा कि पर्वतीय पारम्परिक कृषि उत्पादों का विपणन कर कृषक अपनी आजीविका में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस चार–दिवसीय प्रशिक्षण में अनेक विषय जैसे तकनीक हस्तांतरण में प्रसार रणनीति, संचार विधियां एवं तकनीकी हस्तान्तरण में इनका महत्व, सोशल मीडिया का कृषि में उपयोग, डिजिटल कृषि तकनीक, मशरूम उत्पादन से स्वरोजगार सृजन, एग्री स्टार्टअप द्वारा रोजगार संवर्धन, नेतृत्व विकास, तनाव प्रबन्धन जैसे विषयों का समावेश किया गया है। उन्होंने प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र, नीलोखेड़ी के निदेशक को पंतनगर में प्रशिक्षण आयोजन कराने हेतु धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय–प्रसार प्रशिक्षण संस्थान, नीलोखेड़ी के संकाय सदस्य डा. भरत सिंह घणघस ने कहा कि प्रसार अधिकारियों का समय–समय पर प्रशिक्षण होते रहना चाहिए, जिससे इनका क्षमता विकास हो एवं ये विकसित तकनीकों के बारे में अपने–अपने क्षेत्रों में अधिकतम प्रचार–प्रसार कर सकें। उन्होंने प्रथम दिन प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण में संचार के विभिन्न माध्यमों एवं इनके उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा एवं समन्वयक समेटी डा. बी.डी. सिंह का विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु धन्यवाद दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि संचार विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान एवं विभिन्न शोध केन्द्रों का भ्रमण कराया जाना प्रस्तावित है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक तथा विभिन्न जनपदों से आतमा के अधिकारियों सहित लगभग 38 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा. संजय चौधरी एवं डा. निर्मला भट्ट, प्राध्यापक, कु. ज्योति कनवाल, यंग प्रोफेशनल द्वितीय, डा. बबीता भट्ट, फेसिटिलिटेटर, श्री जगदीश चन्द्र बिष्ट का विशेष योगदान रहा। अंत में मनीषा आर्या, सहायक विकास अधिकारी (कृषि), बागेश्वर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार